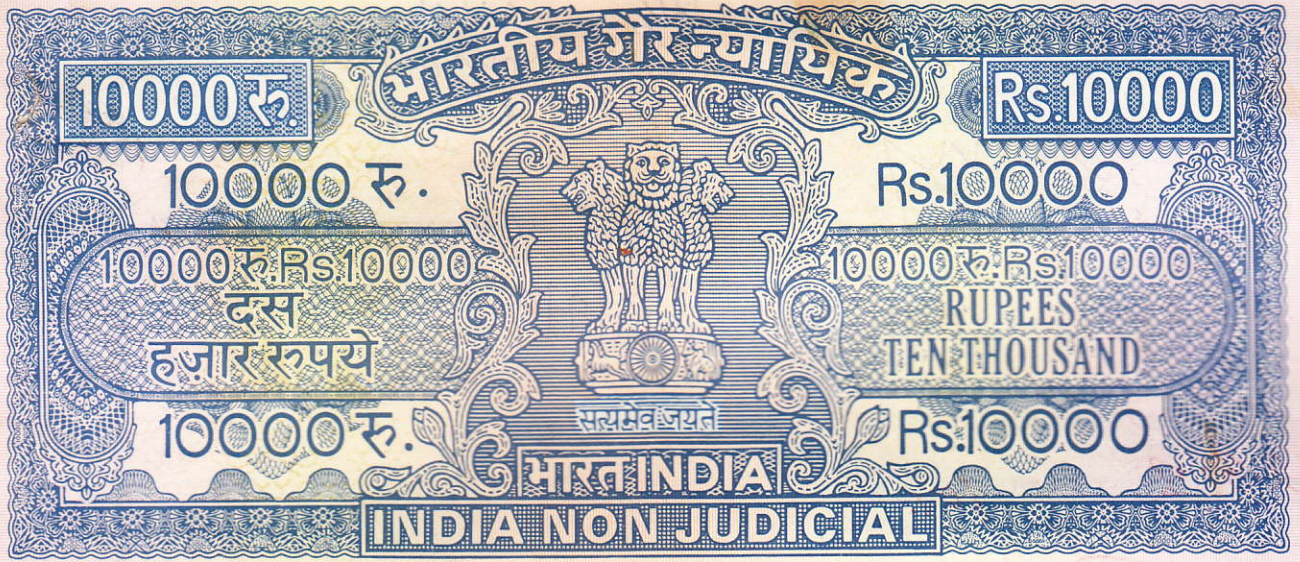


57/5

कुल मूल्य. लगभग. ₹ 1,41,000/-

5616



7

अनुदान विवरण २. मानव संसाधन आयोग के अन्तर्गत। विद्यार्थी छात्राङ्कन के अन्तर्गत।  
 कार्यालयी दस्तावेज ₹ 5000/-। अनुसार गणित विभाग के अन्तर्गत।  
 को शाला और शाला के अन्तर्गत।  
 अनुसूची १(ख) के अन्तर्गत।  
 सामान्य शाला के अन्तर्गत।

2181

2181

2-8-13



विद्यार्थी छात्राङ्कन के अन्तर्गत।  
₹ 2820.00  
₹ 54.00  
₹ 2874.00  
₹ 250  
₹ 94  
₹ 2877.44  
₹ 2181

Under Indian Stamp Act 11850  
 Under Municipal Act 7050  
 Under C. M. A. D. A. 18900

बिक्रेतागण :- 1.- श्रीमति भुम्सीया देवी, पति-श्री हरी लाल गोप,  
 2.- श्रीमति झालो देवी, पति-श्री बिशु गोप, 3.- श्रीमति हेलो देवी, पति- श्री दुर्गा चरण गोप, 4.- श्री नन्द लाल गोप, पिता- स्व० मोहन गोप, जाति- गवाला, पेशा- गृहस्थी वो खेती, ता०- बिशुनपुर, थाना- बैंक मोड़, जिला-धनबाद, भारतीय।

क्रेतागण :- 1.- श्रीमति उर्मिला देवी, पति- श्री उमाशंकर सिंह,  
 2.- श्रीमति मीना देवी, पति- श्री उदय सिंह, जाति- भूमिहार, पेशा- गृहस्थी, साकिम- हाउसिंग कॉलोनी धनबाद, जिला-धनबाद, भारतीय।

2181

583404 (a)

*[Handwritten signature]*

1316 03/04  
Smt. Urmila Devi  
Housing Colony, Ahmed

18, 9th Floor, 100ft, 100ft, 100ft, 100ft, 100ft, 100ft

9/7/03

2.8.03

101-  
20095

मुळीमा देवी  
हेली लाल गोप  
विशुकाय, कडमा - 410001  
अहमदाबाद, गुजरात

283



मुळीमा देवी  
व गणेश गोप  
मुळीमा देवी  
सह सामने रीप यीमा  
गणेश गोप  
218103

238  
138/03  
मुळीमा देवी  
मायु देवी, हेली देवी  
व नरद लाल गोप  
गणेश गोप  
नरद लाल गोप  
हो ग्राम, देसा, खेरी ते ताकाका  
अहमदाबाद, गुजरात



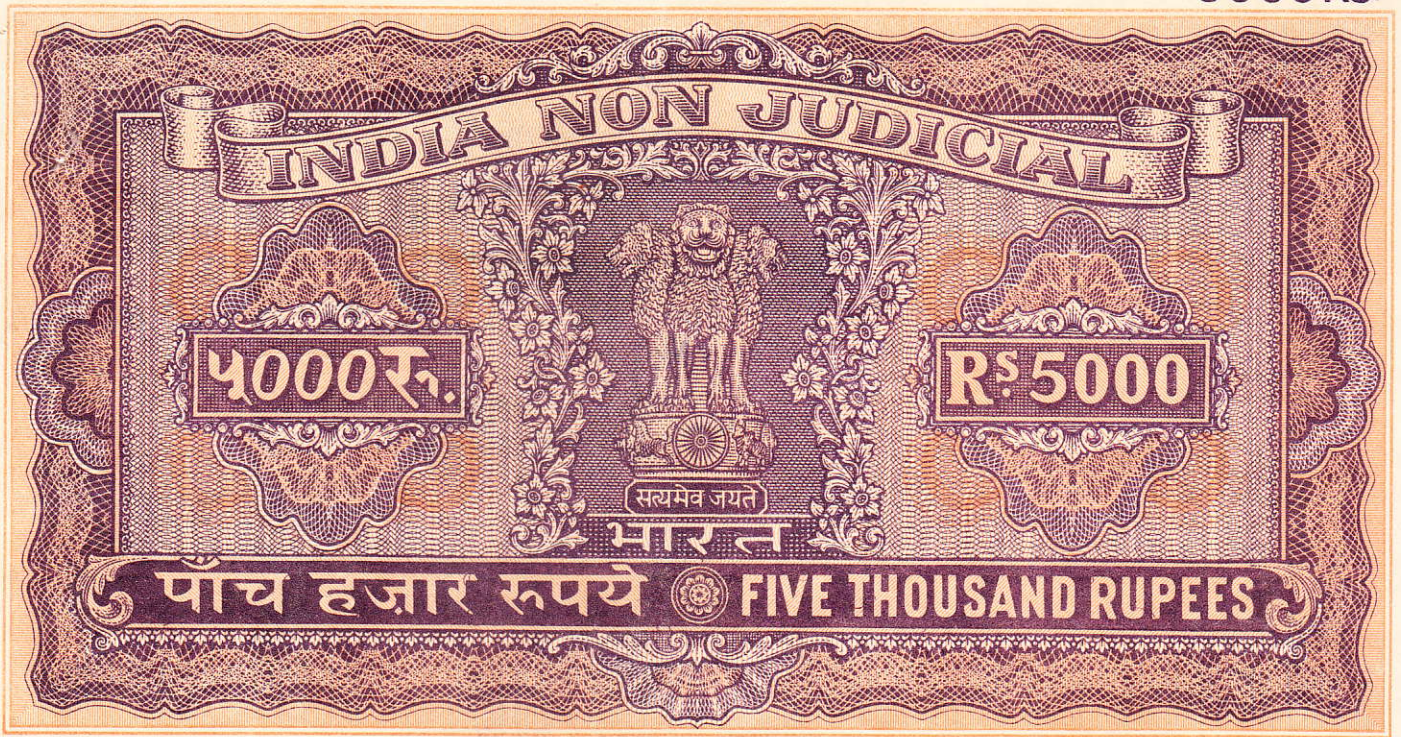
मुळीमा देवी  
व गणेश गोप  
218103

239  
138/03



इयालो देवी  
व गणेश गोप  
218103

*[Handwritten mark]*



शुक्ति १९१  
 व २१०६२०१५  
 २१८१०५

शुक्ति १९१  
 व २१०६२०१५  
 २१८१०५

शुक्ति १९१  
 व २१०६२०१५  
 २१८१०५

व २१०६२०१५  
 २१८१०५

-- 2 --

-बिक्रय-पत्र केवाला दस्तावेज-

मूल्य :- 1,41,000/- रुपये. ॥ एक लाख एककतालीस हजार रुपये मात्र. ॥

सलाना मालगुजारी - 30 पैसा. ॥ तीस पैसा मात्र. ॥

अंचल कार्यालय धनबाद, मालिक जमींदार झारखण्ड सरकार ।

50002

02 2368/03

*[Handwritten signature]*

13/6 03/04  
Smt. W. Mita Devi  
Housing Colony, One

189m - ~~...~~ 1000/37 5000/1000/04  
9/7/13

240  
132/03



हेलादेवी  
का गांधीवाडी  
218103



*[Handwritten signature]*  
28/03

मु. सिमादेवी व इनालोदेवी व देवीदेवी  
मारे सामने येव पीता

241  
132/03



गांधीवाडी  
218103

जयमालादेवी

242  
132/03



218103

गांधीवाडी  
218103



सत्यमेव जयते  
२१/०५

बिबरण जायदाद :- जिला चौकि सदर निबंधन कार्यालय धनबाद, थाना-  
 धनबाद हाल थाना-बैंक मोड़, अन्तर्गत " विशुनपुर " मौजा में हमलोगों का  
 कायमी रैयति स्वत्व का खास दखली जायदाद, जिसका मौजा नं०- 05 ,  
 खाता नं०- 26 , ॥ छब्बीस ॥ सामिल प्लोट नं०- 47, ॥ सैतालीस ॥  
 रकवा- 05 कट्ठा ॥ पाँच कट्ठा ॥ यानि 8.25 डिसेमील जमीन निजांश  
 बिक्री किया ।

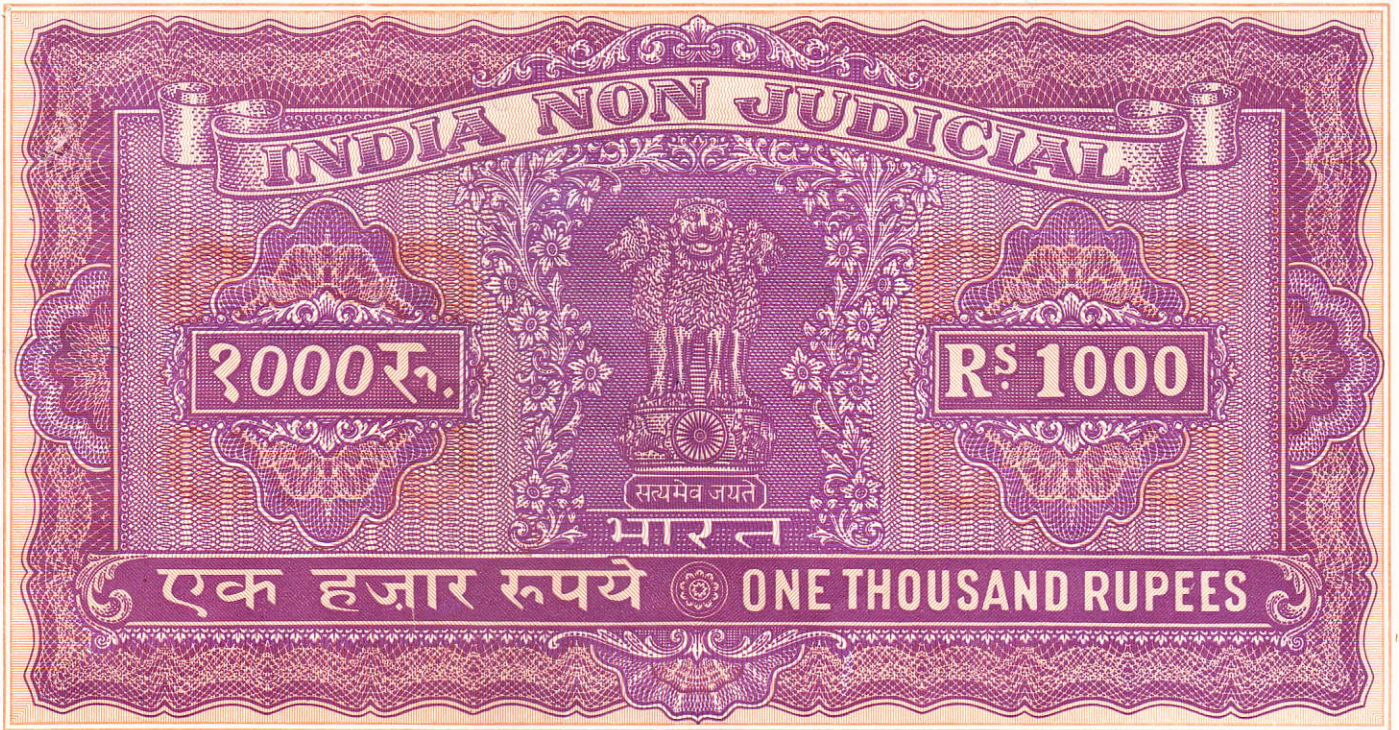
जो इस दस्तावेज के साथ दिये गये नक्शा में " लाल " रंग से दर्शाया  
 गया है ।



-- 4 --

21/8/05  
21/8/05

जिसका चौहद्दी = उत्तर :- मताल गोप ,  
 दक्षिण :- 5 फीट का रास्ता ,  
 पुरब :- इसी प्लोट का अंश ,  
 पश्चिम :- अमीन गोप ।

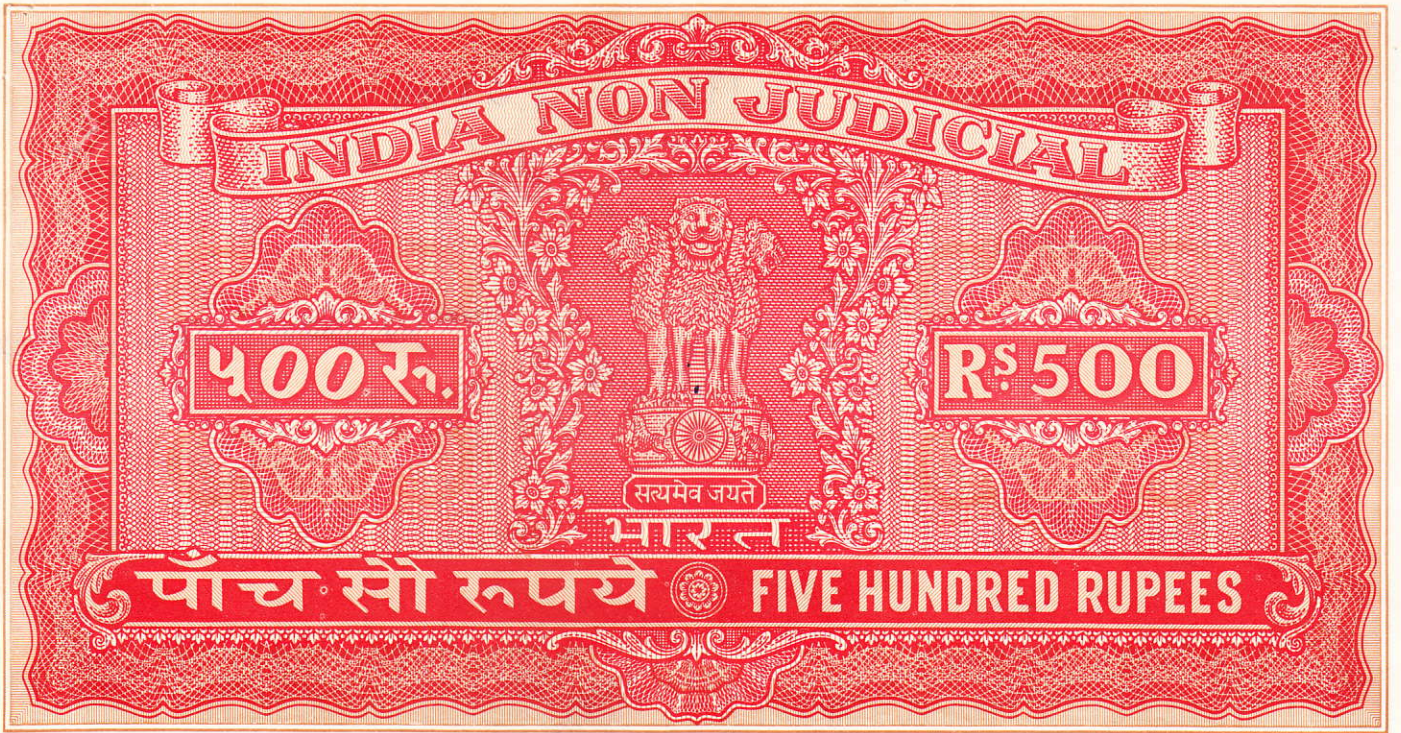


-- 5 --

नन्दमाम दास  
24/8/05

उपरोक्त जायदाद बिगत माप के समय परचा बिफ्रेता के 1,2,3 नं-  
के मातामह एवं बिफ्रेता 4 नं- के प्रमातामह स्व० सुन्दर महतो एवं अन्य  
के नाम से परचा में नाम दर्ज है, जो अंचल कार्यालय धनबाद के थोंका नं-  
26 में सलाना मालगुजारी का रसीद कट रही है ।

उपरोक्त सम्पत्ति हस्तान्तरण हेतु शहरी भू- हदबन्दी अधिनियम 1976  
की धारा 26 §1§ के अन्तर्गत सक्षम पदाधिकारी धनबाद को सूचना दी गई  
थी, जिसका सूचना संख्या-432. दिनांक 17-4-2003 है, 60 दिन के  
अन्दर सक्षम पदाधिकारी धनबाद की ओर से किसी प्रकार की आपत्ति की  
सूचना प्राप्त नहीं हुआ है, अतः 60 दिन के बाद आज उक्त दस्तावेज  
निबंधन के लिए पेश किया ।



सुनिता देवी  
क 210121014  
218103

सुनिता देवी  
क 210121014  
218103

सुनिता देवी  
क 210121014  
218103

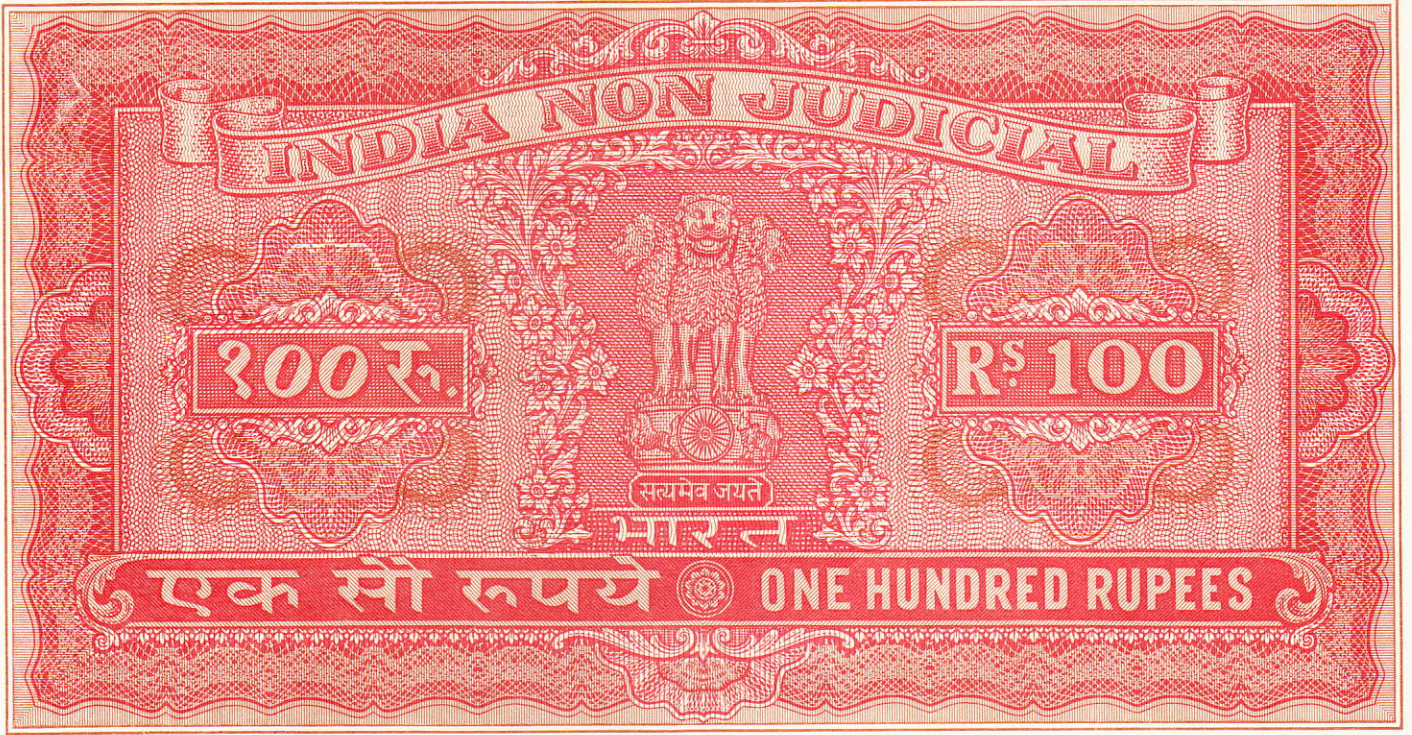
सुनिता देवी  
क 210121014  
218103

सुनिता देवी  
क 210121014  
218103

-- 6 --

चूंकि बिक्रय-पत्र का बिबरण यह है, कि हमलोगों को संसारिक खर्च के लिए रुपये की अति-आवश्यकता आ पड़ी है, इसलिए बिबरण में दिये गये जायदाद को बिक्री करने के लिए आप लोगों से प्रार्थना करने पर आप उसे खरीद करने के लिए राजी हुए, इसप्रकार दोनों पक्षों की सहमति से उक्त जायदाद का समयोचित सर्वोच्च मूल्य :- 1,41,000/- रुपये तय हुआ और उक्त मूल्य में ही उक्त जायदाद को आपको बिक्री कर सदा के लिए निः स्वत्व हुए एवं आप लोगों को दखलकार किया तथा दखल दिया ।

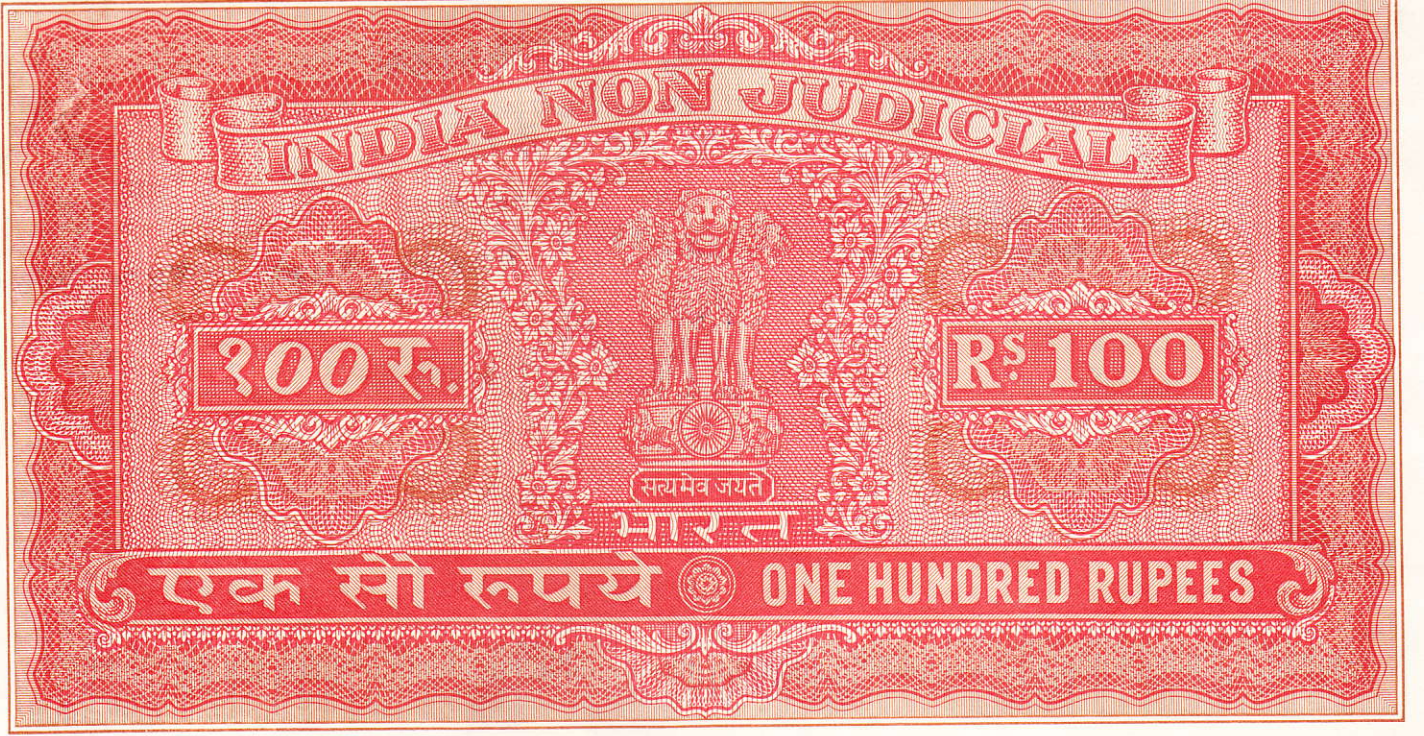




-- 7 --

उपरोक्त जायदाद पर हमलोगों का जिस प्रकार का हक-अख्तियार, दावी-दावा आदि था आज तारीख से आपलोगों का हुआ आप लोग उक्त जायदाद पर मकान, आंगन, कुँआ, बगान- बगिचादि तैयार कर नीज वसवास या किराया बन्दोवस्त कर अपना ईच्छानुसार दान-बिक्री आदि सर्वप्रकार के हस्तान्तर का मालिक होकर वंश परम्परा से पुत्र-पौत्रादि एवं वारीसन के साथ सदा के लिए भोंग दखल करते रहे इसमें हम या हमारा वारीसन किसी प्रकार का वजुर या स्तराज नहीं कर सकता है , और करने पर भी वह कानून के मुताबिक नामंजुर होगा ।

शक्तिशिव  
21/08/05

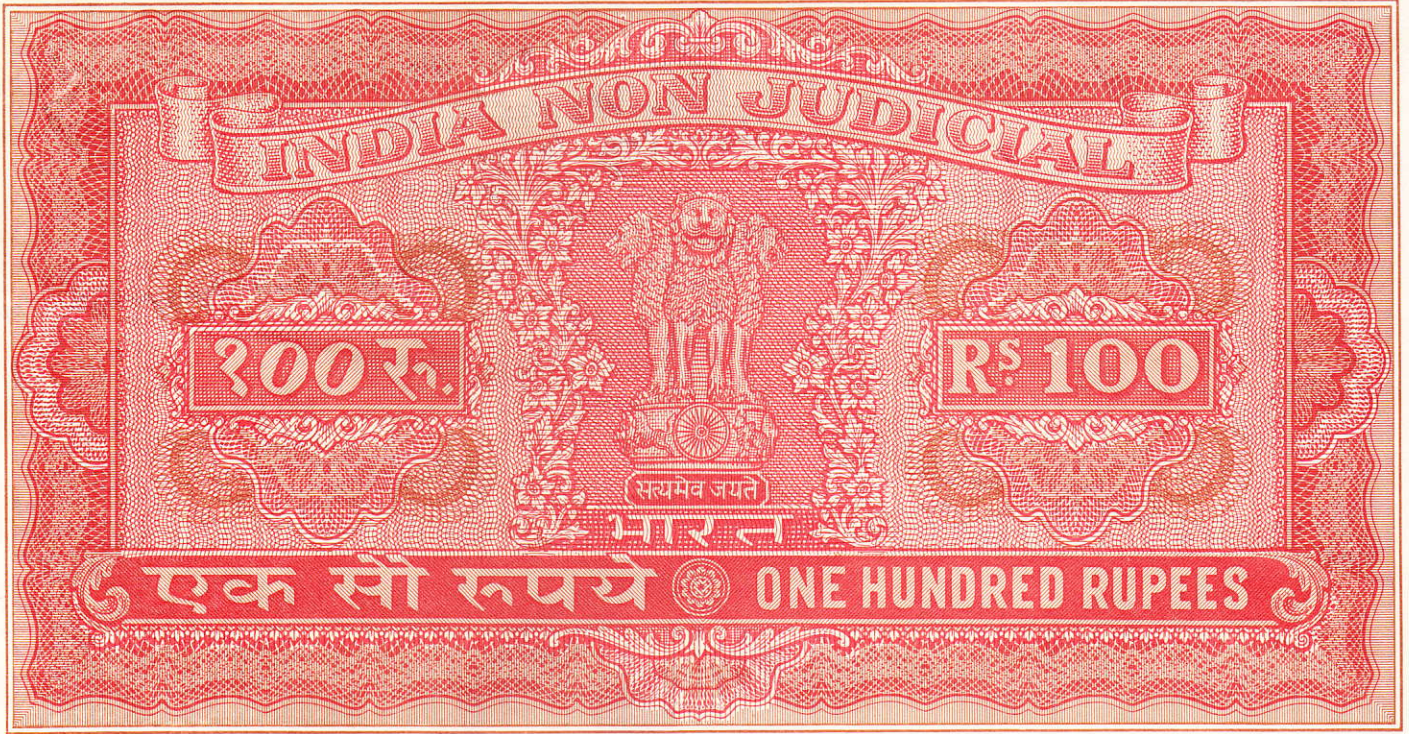


अभिषेक  
व. 218103

-- 8 --

उपरोक्त जायदाद का सलाना मालगुजारी मालिक जमींदार झारखण्ड सरकार को बराबर आदाय देकर आप लोग अपने नाम से दाखिल-खारिज करवाकर सलाना मालगुजारी का रसीद हासिल करेंगे ।

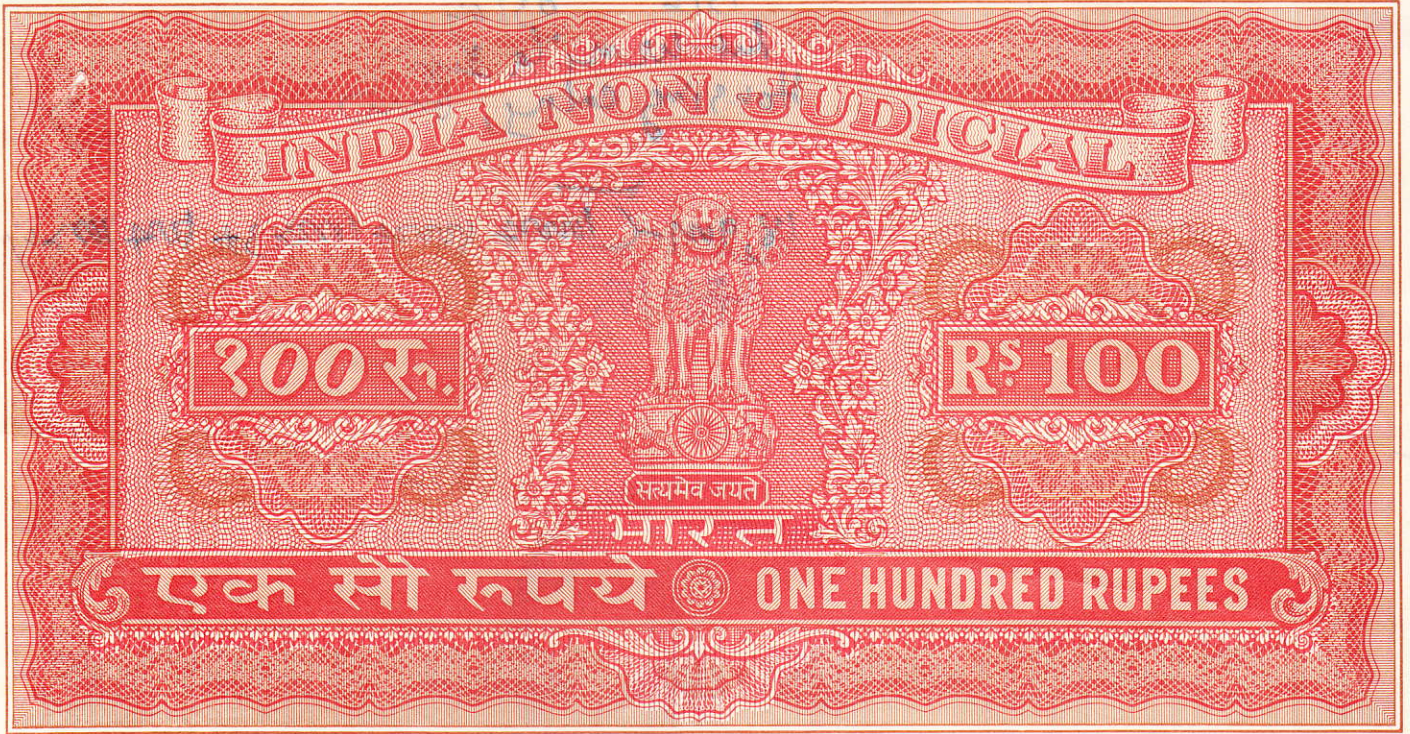
उपरोक्त जायदाद हमलोगों का खास दखल में है, कभी किसी प्रकार का हस्तान्तर आदि नहीं किया हुआ है, अगर भविष्य में किसी प्रकार का दाय-संयोग या हस्तान्तर आदि पाया जाय और उससे आपको या आपके वंशज को क्षति पहुँचे तो हम या हमारा वारीसन क्षति पुरण का देनदार होगा या होंगे ।



-- 9 --

सत्यमेव जयते  
२१०११०१५

अतः हमलोग अपना-अपना स्थिर बुद्धि और सरल मन से विचार कर  
मूल्य का पुरा रूपये पाकर एवं समझ-बुझकर यह विक्रय-पत्र सम्पादन कर  
दिया कि समय पर काम आवें । ईति दिनांक--२.४.२००५



 सुनिता देवी  
 व 210121014  
 218103

 सुनिता देवी  
 व 210121014  
 218103

 सुनिता देवी  
 व 210121014  
 218103

जयशंकर प्रसाद  
 210103

-- 10 --

दस्तावेज का प्रारम्भ बनाया एवं दोनों पक्षों को पढ़कर सुनाया एवं समझा दिया ।

Suman Kumar  
Advocate (E.No-1405/90)  
2181203

प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एवं द्वितीयक प्रति एक दूसरे को हूँ- बहु और सच्ची प्रति लिपि है ।

-- गवाहगण --

सुनिता देवी  
 व 210121014  
 218103

1. 210121014  
 श्री विश्वनाथ  
 श्री वासुदेव प्रसाद सिंह  
 जय प्रकाश मंगल सुनीता देवी  
 210103

20-21-03

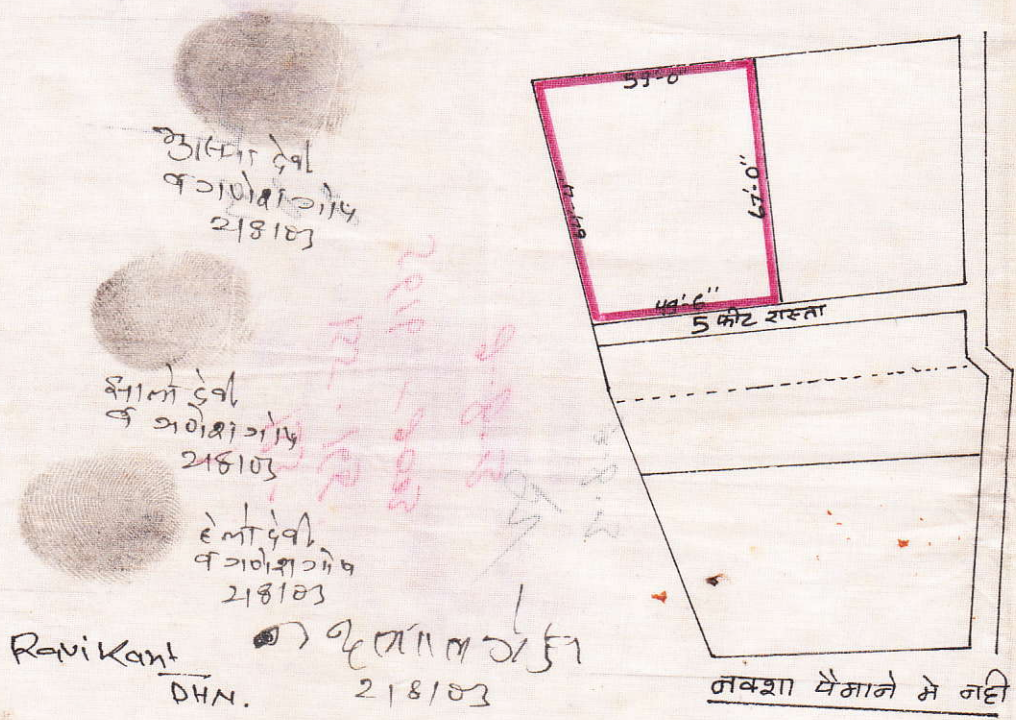
विक्रेता - 1. श्रीमती मुसीया देवी पति:- श्री दशराल गोप  
 2. श्रीमती मालो देवी पति:- श्री विशु गोप  
 3. श्रीमती हेलो देवी पति:- श्री दुर्गा चरण गोप  
 4. श्री नन्दलाल गोप पिता:- स्व० मोहन गोप  
 साकम:- विशुनपुर, थाना:- बैंक मोड, जिला:- धनबाद

क्रेता - 1. श्रीमती उर्मिला देवी पति:- श्री उमाशंकर सिंह  
 2. श्रीमती मीना देवी पति:- श्री उदय सिंह

तपसिल - मौजा:- विशुनपुर न०:- 5, खाता न०:- 26, प्लोट न०:- 47  
 रकबा:- 5 कठठा यानि 8.25 डिसमिल

चौदद्वी - उत्तर:- मताल गोप  
 दक्षिण:- 5 फीट रास्ता  
 पुरव:- इसी प्लोट का अंश  
 पश्चिम:- अमीन गोप

लाल रंग से दर्शाया गया है



ड्रेस कार्ड:-

Ravi Kant  
 DHM.  
 श्रीमती उर्मिला देवी  
 218103

नक्शा पैमाने मे नही